

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-815
दिनांक 24 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

लक्षद्वीप में विद्युत आपूर्ति

815. श्री हमदुल्ला सईद:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से डीजल जनरेटर (डीजी) सेटों पर निर्भर है, जिनके लिए कोई बैकअप प्रणाली उपलब्ध नहीं है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का लंबे समय तक बिजली कटौती को रोकने के लिए सभी द्वीपों पर अतिरिक्त डीजी सेट उपलब्ध कराने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या डीजी सेटों में तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए तदर्थ या स्थायी आधार पर विशेषज्ञ तकनीशियनों की नियुक्ति का कोई प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप के सभी आबादी वाले द्वीपों में निर्वाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क): संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप में विद्युत आपूर्ति का प्राथमिक स्रोत डीजल जनरेटर (डीजी) सेट हैं, जिनकी कुल संस्थापित क्षमता 33.88 एमवीए है, जो वर्ष 2024-25 की 13.3 मेगावाट की अधिकतम मांग को पूरा करती है। डीजल आधारित उत्पादन के अलावा, लक्षद्वीप विद्युत विभाग निम्नलिखित प्रणालियों के माध्यम से सौर ऊर्जा का भी उपयोग कर रहा है:

1. कवरत्ती में 1400 केडबल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ 1400 केडबल्यूपी सौर पीवी संयंत्र।
2. अगत्ती द्वीप पर 300 केडबल्यूपी सौर पीवी संयंत्र।
3. द्वीपों में 538 रूफटॉप सौर प्रणालियों से कुल 1603 केडबल्यूपी सौर क्षमता संस्थापित और चालू की गई है।

(ख) : लक्षद्वीप विद्युत विभाग निरंतर मांग का आकलन करता है और तदनुसार उत्पादन क्षमता बढ़ाता है। वर्ष 2025-2026 के दौरान चालू, संस्थापित और प्रस्तावित डीजी सेटों का विवरण निम्नानुसार है।

क - चालू की गई:

1. अगती में 1 x 1010 केवीए
2. एंड्रोट में 2 x 1010 केवीए
3. चेटलाट में 1 x 750 केवीए

ख - वर्तमान में संस्थापना के तहत:

1. मिनिक्कॉय में 1 x 1010 केवीए
2. अमिनी में 1 x 1010 केवीए
3. किल्टन में 1 x 1010 केवीए
4. कवरत्ती में 1 x 1500 केवीए

ग - वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित (निविदा जारी की गई है):

1. किल्टन में 1 x 1010 केवीए
2. कल्पेनी में 1 x 1010 केवीए
3. अगती में 1 x 1010 केवीए
4. बितरा में 1 x 320 केवीए
5. कवरत्ती में 1 x 1500 केवीए

प्रचलनात्मक दक्षता, विश्वसनीयता और आपात स्थिति में बैकअप सुनिश्चित करने के लिए सभी द्वीपों पर अतिरिक्त डीज़ल जनरेटर सेट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इस अतिरिक्त डीज़ल जनरेटर क्षमता का उपयोग संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) गतिविधियों के दौरान और डीज़ल जनरेटर सेट की किसी भी खराबी की स्थिति में किया जाता है, जिससे निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनी रहती है।

(ग) : संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के विद्युत विभाग ने योग्य सेवा कर्मियों के माध्यम से डीजी सेटों की मरम्मत और ओवरहालिंग की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक द्वीप पर विभागीय तकनीकी कर्मचारियों की एक समर्पित टीम उपलब्ध है। आवश्यकतानुसार, विशिष्ट खराबी या बड़ी मरम्मत के लिए विशेषज्ञ तकनीशियनों को अल्पकालिक या नियत समय पर नियुक्त किया जाता है, ताकि विद्युत आपूर्ति में न्यूनतम व्यवधान हो।

(घ) : संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के सभी बसे हुए द्वीपों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

क. सौर ऊर्जा संयंत्र (भूमि आधारित):-

1. कवरती में 1400 केडबल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली । (बीईएसएस) के साथ 1400 केडबल्यूपी सौर पीवी संयंत्र चालू किया गया है।
2. अगती द्वीप पर 300 केडबल्यूपी का सौर पीवी संयंत्र चालू किया गया है।
3. एंड्रॉट में 25 केडबल्यूएच बीईएसएस के साथ 638 केडबल्यूपी के ग्राउंड-माउंटेड सौर पीवी संयंत्र की संस्थापना के लिए कार्य आवंटित किया गया है।
4. अमिनी में 12 केडबल्यूएच बीईएसएस के साथ 314 केडबल्यूपी के ग्राउंड-माउंटेड सौर पीवी संयंत्र की संस्थापना के लिए कार्य आवंटित किया गया है।

ख. रूफटॉप सौर ऊर्जा संस्थापनाएँ:

1. द्वीपों में निजी आवासीय भवनों पर कुल 1603 केडबल्यूपी क्षमता वाले 538 रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियाँ संस्थापित और चालू की जा चुकी हैं।
2. सरकारी भवनों पर भी रूफटॉप सौर ऊर्जा स्थापना का कार्य अलग से किया जा रहा है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 5525 केडबल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ 2107 केडबल्यूपी क्षमता की संस्थापना हेतु निविदा पहले ही जारी की जा चुकी है।

ग. फ्लोटिंग सोलर प्लांट:

1. कवरती में 16 मेगावाट घंटा बीईएसएस के साथ 6 मेगावाट पीक फ्लोटिंग सोलर विद्युत संयंत्र संस्थापित करने के लिए निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं।
2. अगती द्वीप पर 16 मेगावाट घंटा बीईएसएस के साथ 5.25 मेगावाट पीक फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट संस्थापित करने के लिए निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं।
3. मिनिक्कॉय, कदमत, किल्टन और चेटलाट द्वीपों पर इसी तरह के फ्लोटिंग सोलर संस्थापन के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरे हो चुके हैं और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन जारी हैं।

डीज़ल और नवीकरणीय स्रोतों को मिलाकर, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों द्वारा समर्थित, इस हाइब्रिड दृष्टिकोण का उद्देश्य दीर्घकालिक रूप से ऊर्जा सुरक्षा, विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित करना है।
